Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to rejuvenate Kahan river in Madhya Pradesh.

श्री अनिल फिरोजिया (उज्जैन) : माननीय सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । आपने मुझे सदन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय रखने का अवसर प्रदान किया । मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से बहकर मध्य प्रदेश की धार्मिक राजधानी उज्जैन पहुंचने वाली खान नदी ने गंदे नाले का रूप धारण कर लिया है ।

इंदौर व उसके आसपास के तमाम उद्योगों के दूषित पानी व सिवरेज का पानी उज्जैन में त्रिवेणी के तट पर आकर मोक्ष दायनी शिप्रा मैय्या में मिलता है । जितना महत्व मां गंगा नदी का है, उतना ही धार्मिक महत्व मां शिप्रा का भी है, लेकिन खान नदी के दूषित व प्रदूषित पानी के शिप्रा नदी में मिलने के कारण उज्जैन के रामघाट तक शिप्रा नदी प्रदूषित हो जाती है और पानी से बदबू आने लगती है ।

माननीय सभापति महोदय, यहां तक कि जो धार्मिक तीर्थ यात्री हैं, वे इस पानी से आचमन भी नहीं कर सकते । खान नदी के जल का उपचार करने के लिए स्थायी और ठोस परियोजना बनाने की आवश्यकता है । कल शनिवार को उज्जैन में स्नान पर्व है । उज्जैन चूंकि धार्मिक नगरी है, इसलिए यहां पर पर्व, तीज-त्यौहार पर लाखों श्रद्धालू आते हैं और शिप्रा नदी में स्नान कर फल प्राप्ति की कामना करते हैं ।

सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि खान नदी के संरक्षण के लिए कोई स्थायी योजना बनाई जाए, जिससे मोक्ष दायिनी शिप्रा मैय्या में मिलने वाली खान नदी के कारण जो प्रदूषण हो रहा है, उसका निराकरण हो ।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।